



॥ श्री विष्णु अष्टोत्तर शतनामावली ॥
भगवान श्री विष्णु अष्टोत्तर शतनामावली से
हमारे घर में सदैव प्रेम, भक्ति और
सकारात्मकता का वास होता है

FULL DISCLAIMER

This book is for educational, inspirational, and cultural purposes only. The remedies, rituals, affirmations, breathing methods, and spiritual practices described are based on traditional beliefs, historical customs, and personal development principles. They are not guaranteed solutions.

This book does not replace advice from licensed doctors, psychologists, financial advisors, lawyers, or other qualified professionals. If you have medical symptoms, mental health concerns, legal matters, or financial risk, seek professional help.

Use all remedies responsibly, ethically, peacefully, and according to local law. Do not use fire, herbs, fasting, incense, or physical practices in unsafe ways. The author and publisher are not liable for misuse.

Results in life depend on effort, discipline, timing, environment, skill, and many other factors. No spiritual method guarantees money, marriage, success, healing, or protection.

Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS
AT YOUR DOOR"

॥ श्री विष्णु अष्टोत्तर शतनामावली ॥

ॐ विष्णवे नमः॥

ॐ नारायणाय नमः॥

ॐ वासुदेवाय नमः॥

ॐ हरये नमः॥

ॐ केशवाय नमः॥

ॐ माधवाय नमः॥

ॐ गोविन्दाय नमः॥

ॐ मधुसूदनाय नमः॥

ॐ त्रिविक्रमाय नमः॥

ॐ वामनाय नमः॥

ॐ श्रीधराय नमः॥

ॐ हृषीकेशाय नमः॥

ॐ पद्मनाभाय नमः॥

ॐ दामोदराय नमः॥

ॐ संकर्षणाय नमः॥

ॐ प्रद्युम्नाय नमः॥

ॐ अनिरुद्धाय नमः॥

ॐ पुरुषोत्तमाय नमः॥

ॐ अधोक्षजाय नमः॥

ॐ नरसिंहाय नमः॥

ॐ अच्युताय नमः॥

ॐ जनार्दनाय नमः॥

ॐ उपेन्द्राय नमः॥

ॐ हरये नमः॥

ॐ श्रीकृष्णाय नमः॥

ॐ रामाय नमः॥

ॐ लक्ष्मीपतये नमः॥

ॐ जगन्नाथाय नमः॥

ॐ मुकुन्दाय नमः॥

ॐ दयानिधये नमः॥

ॐ भक्तवत्सलाय नमः॥

ॐ गरुडध्वजाय नमः॥

ॐ पीताम्बरधराय नमः॥

ॐ चक्रपाणये नमः॥

ॐ गदाधराय नमः॥

ॐ शार्ङ्गपाणये नमः॥

ॐ पद्महस्ताय नमः॥

ॐ वनमालिने नमः॥

ॐ यज्ञरूपाय नमः॥

ॐ परब्रह्मणे नमः॥

ॐ विश्वम्भराय नमः॥

ॐ जगत्पतये नमः॥

ॐ जगदीश्वराय नमः॥

ॐ देवकीनन्दनाय नमः॥

ॐ श्रीनिवासाय नमः॥

ॐ श्रीपतये नमः॥

ॐ पुण्डरीकाक्षाय नमः॥

ॐ विश्वरूपाय नमः॥

ॐ विश्वात्मने नमः॥

ॐ अनन्ताय नमः॥

ॐ शेषशायिने नमः॥

ॐ योगेशाय नमः॥

ॐ योगविदां नेतृ नमः॥

ॐ धर्मगुप्त्रे नमः॥

ॐ सत्यरूपाय नमः॥
ॐ सत्यधर्मपरायणाय नमः॥
ॐ भक्तप्रियाय नमः॥
ॐ करुणासागराय नमः॥
ॐ त्रिलोकनाथाय नमः॥
ॐ आदिदेवाय नमः॥
ॐ सनातनाय नमः॥
ॐ अनामयाय नमः॥
ॐ कैटभासुरमर्दनाय नमः॥
ॐ श्रीवत्सलाञ्छनाय नमः॥
ॐ कौस्तुभधराय नमः॥
ॐ सर्वेश्वराय नमः॥
ॐ विश्वक्सेनाय नमः॥
ॐ जनार्तिहरणाय नमः॥
ॐ भक्तरक्षकाय नमः॥
ॐ अचिन्त्याय नमः॥
ॐ अव्यक्ताय नमः॥
ॐ अनिर्वचनीयाय नमः॥
ॐ शाश्वताय नमः॥
ॐ अविनाशिने नमः॥
ॐ जगत्कारणाय नमः॥
ॐ कालरूपाय नमः॥
ॐ परमात्मने नमः॥
ॐ परात्पराय नमः॥
ॐ नित्याय नमः॥
ॐ शुभप्रदाय नमः॥
ॐ मंगलमूर्तये नमः॥

ॐ सर्वमंगलाय नमः॥
ॐ जगदुद्धारकाय नमः॥
ॐ दीनबन्धवे नमः॥
ॐ भक्ताभीष्टप्रदाय नमः॥
ॐ आनन्दरूपाय नमः॥
ॐ शरणागतवत्सलाय नमः॥
ॐ भवभयहराय नमः॥
ॐ पापनाशनाय नमः॥
ॐ मोक्षप्रदाय नमः॥
ॐ वैकुण्ठनाथाय नमः॥
ॐ लक्ष्मीनारायणाय नमः॥
ॐ यदुनाथाय नमः॥
ॐ गोकुलानन्दाय नमः॥
ॐ गोपालाय नमः॥
ॐ गोपीजनवल्लभाय नमः॥
ॐ मुरारये नमः॥
ॐ श्रीधराय नमः॥
ॐ दामोदराय नमः॥
ॐ अच्युताय नमः॥
ॐ अनन्तशयनाय नमः॥
ॐ पद्मगर्भाय नमः॥
ॐ श्रीकान्ताय नमः॥
ॐ वेदात्मने नमः॥
ॐ यज्ञपुरुषाय नमः॥
ॐ त्रैलोक्यनाथाय नमः॥
ॐ नारायणाय नमः॥
ॐ श्रीविष्णवे नमः॥